

38. — Vgl. आदर्श, आदर्श.

— व्या pass. deutlich zu sehen sein: व्याप्तिं प्रविष्टतमसा न स्म व्या-
दृश्यते परम् BHĀG. P. 3, 17, 6.

— उद् caus. zum Vorschein kommen, sich zeigen: मरुता रथवेगेनोद्-
दर्शितम् VIKR. 11, 6. — Vgl. उद्दृष्ट.

— अयुद् s. अयुद्दृष्ट.

— उप 1) *zusehen* (ohne thätig einzugreifen) MBH. 1, 8140. — 2) *be-
merken, wahrnehmen*: उप स्तोमात्तुरस्य दर्शयः श्रिये RV. 3, 26, 4. pass.
sichtbar sein, bemerkbar werden, erscheinen: न उपादृश्यत च्छन्न आसा-
रेण यथा गिरिः BHĀG. P. 4, 10, 13. उपौ अद्भ्रतमसश्चिदत्तोः RV. 7, 62, 2,
उपौ अदर्शि शुन्ध्युवो न वक्तः 1, 124, 4. तस्मादेषो ऽरुणतम इव दिव उपद-
दृशे PĀNĀV. Br. 23, 12. — Vgl. उपदर्म्, उपदर्म्. — caus. 1) *sehen las-
sen, zeigen, vorführen*: उपदर्शितकुच PRAB. 40, 4. तादृशांशोपदर्शयन्तान्
KATHĀS. 22, 184. ततो राज्ञः पुरो मामुपदर्श्य प्रणम्योक्तं तैः HIT. 83, 15. GĪ.
1, 37. DAČAK. 90, 6. कस्यचित्सकृदुपदर्शयतीकृत्यताम् MBH. 12, 10530.
(माया) अस्तौ ऽपि भावानुपदर्शयन्ती पर्युरुषं वक्ष्यति PRAB. 15, 4. 101, 4.
नयत्रिद्विर्नवे राशि सदसञ्चोपदर्शितम् RAGH. 4, 10. *sehen lassen* so v. a.
darstellen: निरत्तरशरनिकरधारसंगतोपदर्शितदुर्दिने PRAB. 87, 9. *fälsch-
lich sehen lassen, vorgaukeln, vorspiegeln*: ज्ञानित्वम् KATHĀS. 19, 75. आ
बाल्यद्विज्ञेयो ऽप्यासीच्छैत्रतामुपदर्शयन् RĀGĀ-TAR. 5, 43. *zeigen* so v. a.
auseinandersetzen, erläutern: चतुष्पाद्यवहारो ऽयं विवादेषूपदर्शितः JĀGĪ.
2, 8. तथागतज्ञानम् SADDH. P. 4, 28, b. Vgl. उपदर्शना.

— नि caus. 1) *sehen lassen, zu Gesicht bringen, zeigen*: इष्टमिच्छा-
मि ते त्रयमैश्वरं त्वं निदर्शय MBH. 14, 1588. (तस्य) वनस्पतयः पुष्पशोभां
निदर्शितवतः 12, 13222. विविधानस्त्रमार्गान्निदर्शयन् 1, 186. (परं नपं)
निदर्शयामास — इन्दुमत्यै RAGH. 6, 31. कृस्तेन निदर्शयन् *hinzeigend* ČĀK.
100, 9, v. 1. *hinweisen auf, anweisen*: अथ्यास्त तन्निदर्शितमासनम् RĀGĀ-
TAR. 3, 233. — 2) *aufführen, einführen*: तन्मतं पद्ममिच्छितो दृष्ट्वाशोकादि-
पूर्वगान् । अष्टौ लवादीन्पतीन्स्वस्मिन्ग्रन्थे न्यदर्शयत् ॥ RĀGĀ-TAR. 1, 18.
— 3) *Etwas mittheilen, lehren* ĀČV. ČR. 3, 9. विपुला विद्यास्तत्र निदर्शिताः
MBH. 12, 2154. — 4) *Jmd unterweisen, anweisen, belehren, zusprechen*: यव-
क्रीतं निदर्शयन् MBH. 3, 10724. सौहृदाह्वं निदर्शये 16940. तमहं विविधैर्वा-
क्यैर्कृतुमाद्भिर्न्यदर्शयम् R. 5, 89, 56. 33, 15. 4, 20, 1. — 5) *Jmd (acc.) er-
scheinen*: स्वप्ने निदर्शयामास काण्डुकं नाम नापितम् HARIV. 1339. — Vgl.
निदर्शन.

— संनि caus. *zu Gesicht bringen, zeigen*: पत्नलम्भो ममायं वः प्रत्यक्तं
संनिदर्शितः R. 4, 63, 15.

— परा *erschauen, ansichtig werden*: धूममग्निं परादृश्यामित्रा कृत्स्वा
दधतो भुयम् AV. 8, 8, 2. तत्परादृष्टुः ČAT. Br. 9, 5, 1, 3. 4.

— परि *besehen* so v. a. *besuchen*: के देशाः परिदृष्टास्ते MBH. 15, 1014.
परिदृष्टानि तीर्थानि गङ्गा चैव मया 1015. *ansetzen*: कस्तमिच्छेत्परिदृष्टुम्
12, 6576. *erschauen, ansichtig werden*: लक्ष्मैव रूपं सुकृतं स्वधित्यैना ए-
काः परि पात्रं ददाम् AV. 12, 3, 33. *im Geiste schauen, erkennen, aus-
findig machen*: अन्यथा परिदृष्टानि मुनिभिस्तद्वदर्शिभिः । अन्यथा परिव-
र्तते वेगा इव नभस्वतः MBH. 3, 1149. 3, 2788. 12, 3063. 14, 57. परिदृष्टा-
र्थनिश्चय R. 6, 93, 20. उपायः परिदृश्यताम् MBH. 3, 10012. 1, 6222. —
pass. *wahrgenommen werden, sich zeigen*: यथादर्शं तथात्मनि यथा स्व-
प्ने तथा पितृलोके । यथाप्सु परीव दृश्ये तथा गन्धर्वलोके KĀTHOP. 6, 5 इयं

सेना सुमरुती समसात्परिदृश्यते R. GORR. 2, 91, 2. 3, 30, 27. न कानिः प-
रिदृश्यते KATHĀS. 6, 129. KĀP. 3, 22. JOGAS. 2, 50. — caus. *zeigen, dar-
legen* MBH. 12, 7069. BHĀSHĀP. 125. 148.

— प्र pass. *sichtbar werden, wahrgenommen werden, aussehen, er-
scheinen*: प्र मे पन्थो देवयानो अद्भ्रन् RV. 7, 76, 2. दत्तमासं प्रदृश्यते SUČA.
1, 125, 9. न क्षादग्धः प्रदृश्यते । लङ्कायाः काश्चिद्देशः R. 5, 51, 5. MBH. 4,
233. मनसैव प्रदीपेन मरुतात्मा प्रदृश्यते 14, 580. धर्मार्थो धर्मकामो च का-
मार्थावपि केवली । नित्यमेते प्रदृश्यते R. 3, 43, 37. यस्या ह्येतादृशः स्वप्नो
दुःखितायाः प्रदृश्यते 5, 27, 29. शिष्यां ब्रह्मकृत्याया रूपं भूमौ प्रदृश्यते BHĀG.
P. 6, 9, 7. तेषां निर्यासत्रयेण ब्रह्मकृत्या प्रदृश्यते 8. राजा मृतकल्पः प्रदृश्य-
ते R. 1, 17, 5. मरुतीयमितः सेना सागराभा प्र 2, 84, 2. आपगाद्य प्रदृश्यते
लाङ्गलस्य गतिर्यथा 4, 60, 13. अर्थश्च तव धर्मश्च भूयान्प्रदृश्यते BRĀHMAN. 2,
6. — caus. *sichtbar machen, zeigen, vorzeigen*: चलद्विद्युत्प्रदर्शिते राज-
मार्गे MĀRK. P. 16, 26. धनमन्यः प्रदर्शयेत् MBH. 13, 2422. MĀRK. 34, 14.
ITĪH. bei ŚĪJ. zu RV. 1, 125, 1. SŪBJAS. 7, 17. विदितं ते परं स्थानं प्रूरमा-
र्गप्रदर्शितम् R. 4, 22, 34. प्रदर्शयन्दर्शनमात्मनः 27, 21. 5, 93, 23. PĀNĀV.
242, 21. KATHĀS. 18, 91. BHĀG. P. 1, 7, 27. 3, 8, 26. 4, 24, 52. RĀGĀ-TAR. 3,
367. *zeigen* so v. a. *an den Tag legen* 4, 606. अनुकूलताम् 5, 7. भक्तिम्
348. अहो लयाय विप्रेषु भक्तिरागः प्रदर्शितः MBH. 13, 7211. चेष्टा पिपी-
लिकानां च काले भूयः प्रदर्शयेत् MĀRK. P. 27, 18. *kenntlich machen, be-
zeichnen*: संकरे ज्ञातयस्त्वेताः पितृमातृप्रदर्शिताः M. 10, 40. *klar machen,
auseinandersetzen, lehren*: योगेश्वरं कृत्स्नेन यत्र राज्ञो प्रदर्शितम् MBH.
1, 510. 13, 5201. यः प्रदर्शयते नित्यम् 5202. अर्थानां नष्टरत्नं च प्रदर्शयं DA-
ČAK. in BENF. Chr. 183, 15. BHĀG. P. 1, 4, 29. 5, 20. 3, 33, 12. ČĀK. zu
MUND. UP. 1, 2, 12. VERDĀNTAS. (Allah.) No. 79. 113. MADHUS. in Ind. St. 1,
16, 6 v. u. ŚĪH. D. 2, 17. — *desid. sehen wollen*: प्रादिदत्त नो नृत्यम्
BHĀT. 8, 34. — Vgl. प्रदर्शक, प्रदर्शन.

— उपप्र s. उपप्रदर्शन.

— संप्र pass. *erblickt* —, *wahrgenommen werden, sich zeigen, erschei-
nen*: अचिरात्स्य धूमाम् चितायां संप्रदृश्यते R. 2, 69, 18. संप्रदृश्यति सर्व-
त्र दिवि भूम्यन्वरे तथा HARIV. 12050. इमौ तौ संप्रदृश्यते MBH. 5, 4204.
बहवः संप्रदृश्यते तुल्यनत्तत्रमङ्गलाः 3, 13862. SŪBJAS. 7, 15. भार्या चादधि-
राजस्य लोके ऽस्मिन्संप्रदृश्यते R. 2, 52, 80 (GORR. 20). संप्रदृश्यताम् 3, 16,
9 pass. impers. *man sehe, siehe*. — caus. *sehen lassen, zeigen, an den Tag
legen*: संप्रदर्शयितुं देशं ब्रह्मवेदिं तव BRAHMA-P. in Verz. d. Oxf. H. 18,
a, 26. पार्थिवं विवरे (Blösse) संप्रदर्शिते MBH. 9, 3280. कृतित्वं संप्रदर्शयन्
7, 4788. अविज्ञानान्मया कृत्स्ने रोषो ऽयं संप्रदर्शितः HARIV. 3687. R. 5, 81,
48. त्वात्मानं मृतवत्संप्रदर्शयं *sich tott stellen* HIT. 23, 7, v. 1. für संप्रदर्शयं.
anzeigen, angeben: दारुणाः तत्रधर्मो ऽयमृषिभिः संप्रदर्शितः MBH. 6, 574.
कर्णस्य च बधोपायो यथावत्संप्रदर्शितः 14, 1497.

— प्रति *erschauen, gewahren*: ते देवा अमुरान्प्रतिदृश्य — अन्यत्कर्तुं
दधिरे ČAT. Br. 9, 5, 1, 19. 12, 4, 1, 9. 2, 1. — med. pass. *vor Augen kom-
men, sichtbar* —, *wahrnehmbar werden, erscheinen*: प्रति केतवः प्रथमा
अद्भ्रन् RV. 7, 78, 1. 3. 75. 6. 10, 30, 13. प्रत्यस्य श्रेणायो दृष्ट्यै 142, 5. प्र-
ति भद्रा अद्भ्रन्त् गवां सर्गा न रश्मयः 4, 52, 5. 1, 48, 13. युवाभ्यां प्रति स्तो-
मां अद्भ्रन्त् 8, 5, 3. 1, 92, 5. 104, 5. 113, 7. 124, 3. कस्यैतं प्रतिदृश्यते रथाः
पञ्च किराणयाः MBH. 1, 3675. 5355. 3, 8548. 11612. 4, 1096. 5, 521. कृ-
ताभ्यङ्गः शोषितेन रुद्रवत्प्रत्यदृश्यते 6, 4679. 12, 1887. HARIV. 4099. 5584.